



Shivam Gupta



Bhawna Singla

Model: Love-Horoscope

Order No: 121697601

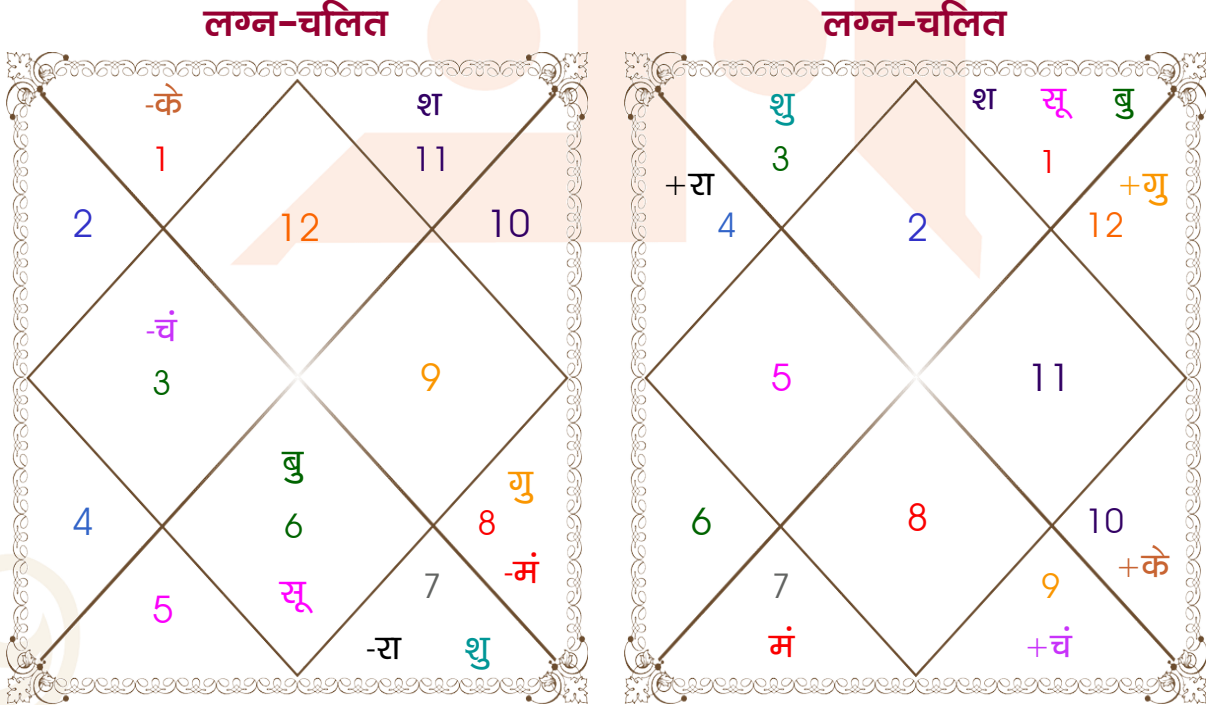
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14/10/1995 :	जन्म तिथि	: 06/05/1999
शनिवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 17:40:00 :	जन्म समय	: 07:00:00 घंटे
घटी 28:26:33 :	जन्म समय(घटी)	: 03:42:08 घटी
India :	देश	: India
Najibabad :	स्थान	: Faridabad
29:37:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:24:00 उत्तर
78:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:17:22 :	सूर्योदय	: 05:37:09
17:48:04 :	सूर्यास्त	: 18:58:13
23:48:00 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:39
मीन :	लग्न	: वृष
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
मिथुन :	राशि	: धनु
बुध :	राशि-स्वामी	: गुरु
मृगशिरा :	नक्षत्र	: पूर्वाषाढा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
3 :	चरण	: 3
परिघ :	योग	: साध्य
वणिज :	करण	: तैतिल
का-कमल :	जन्म नामाक्षर	: फा-फाल्गुनी
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
शूद्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: मानव
सर्प :	योनि	: वानर
देव :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 10मा 4दि	25:21:36	मीन	लग्न	वृष	13:33:18	शुक्र 8वर्ष 9मा 12दि
गुरु	26:52:21	कन्या	सूर्य	मेष	21:15:21	मंगल
19/08/2015	03:09:06	मिथु	चंद्र	धनु	20:48:40	16/02/2024
19/08/2031	01:40:11	वृश्चि	मंगलव	तुला	06:05:55	16/02/2031
गुरु 06/10/2017	11:12:59	कन्या	बुध	मेष	01:15:46	मंगल 14/07/2024
शनि 18/04/2020	18:53:58	वृश्चि	गुरु	मीन	25:30:12	राहु 02/08/2025
बुध 25/07/2022	11:24:14	तुला	शुक्र	मिथु	03:13:04	गुरु 08/07/2026
केतु 01/07/2023	25:24:48	कुंभ व	शनि	मेष	14:00:23	शनि 17/08/2027
शुक्र 01/03/2026	02:42:48	तुला	राहु व	कर्क	23:37:26	बुध 13/08/2028
सूर्य 18/12/2026	02:42:48	मेष	केतु व	मक	23:37:26	केतु 10/01/2029
चन्द्र 18/04/2028	02:45:10	मक	हर्ष	मक	22:50:42	शुक्र 12/03/2030
मंगल 25/03/2029	28:59:55	धनु	नेप	मक	10:31:26	सूर्य 18/07/2030
राहु 19/08/2031	05:12:13	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:56:20	चन्द्र 16/02/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

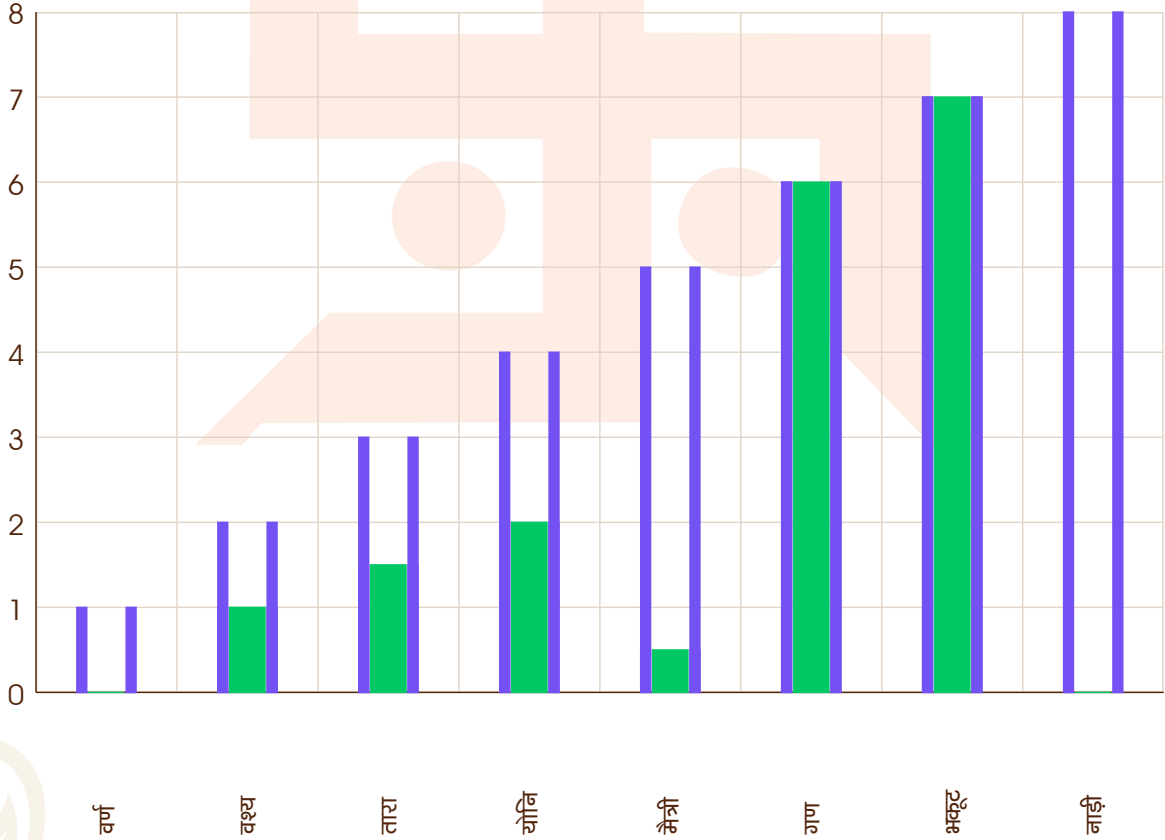
23:48:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:39



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : 18 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि रौपअंड ळनचजं का नक्षत्र मृगशिरा है।

रौपअंड ळनचजं का वर्ग मार्जार है तथा Bhawna Singla का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

रौपअंड ळनचजं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Bhawna Singla मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

रौपअंड ळनचजं तथा Bhawna Singla में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

पौषांड ळनचजं का वर्ण शूद्र है तथा Bhawna Singla का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Bhawna Singla का वर्ण पौषांड ळनचजं के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Bhawna Singla अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Bhawna Singla का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए पौषांड ळनचजं को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

पौषांड ळनचजं का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Bhawna Singla का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप पौषांड ळनचजं एवं Bhawna Singla दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Bhawna Singla अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में पौषांड ळनचजं अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

पौषांड ळनचजं की तारा क्षेम तथा Bhawna Singla की तारा वध है। Bhawna Singla की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह पौषांड ळनचजं एवं Bhawna Singla दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Bhawna Singla अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

पौषांड ळनचजं की योनि सर्प है तथा Bhawna Singla की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में 10पअंड ळनचजं का राशि स्वामी Bhawna Singla के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Bhawna Singla का राशि स्वामी 10पअंड ळनचजं के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

10पअंड ळनचजं का गण देव तथा Bhawna Singla का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Bhawna Singla अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेदारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

10पअंड ळनचजं एवं Bhawna Singla की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा 10पअंड ळनचजं व Bhawna Singla को शांति, सुख, सौभाग्य,

समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

श्रीपअंड ळनचजं की नाड़ी मध्य है तथा Bhawna Singla की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में श्रीपअंड ळनचजं एवं Bhawna Singla का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

ौपअंड ळनचजं की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Bhawna Singla की अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। वायु एवं अग्नि तत्व की नैसर्गिक मित्रता होने के कारणौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla के मध्य सामाजिक रूप से समानताएं विद्यमान रहेंगी तथा एक दूसरे को समझने तथा आदर प्रदान करके मधुर संबंधों को स्थापित करके आनंदमय जीवन व्यतीत करेंगे अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

ौपअंड ळनचजं की राशि का स्वामी बुध तथा Bhawna Singla की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में है। अतःौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla के मध्य यदा कदा मतभेद भी उत्पन्न होंगे तथा परस्पर वाद विवाद की संभावना रहेगी जिससे संबंधों में अल्प समय के लिए तनाव उत्पन्न होगा। चूंकि बुध और बृहस्पति दोनों बुद्धि के प्रतीक ग्रह हैं अतः बुद्धिमता पूर्वक आपस में समझौते की सम्भावना रहेगी तथा अप्रिय स्थिति से दोनों सुरक्षित रहेंगे।

ौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla की राशियाँ परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती हैं। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से परस्पर मधुर एवं आदर्श सम्बंधों की स्थापना होगी तथा एक दूसरे के सम्मान और अस्तित्व को स्वीकृत करके परस्पर प्रेम पूर्वक रहेंगे। साथ ही दोनों के जीवन मूल्यों एवं अभिरुचियों में भी समानता रहेगी।

ौपअंड ळनचजं का वश्य मानव तथा Bhawna Singla का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभता का भाव रहता है। अतःौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla की अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

ौपअंड ळनचजं का वर्ण शूद्र एवं Bhawna Singla का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव से औपअंड ळनचजं एक कर्तव्यपरायण एवं परिश्रमी पुरुष होंगे तथा किसी भी कार्य को करने के लिए उद्यत रहेंगे। परन्तु Bhawna Singla की प्रवृत्ति पराकमी एवं परिश्रमी कार्य करने में रहेगी तथा स्वभाव में तेजस्विता का भाव भी रहेगा।

धन

ौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से रौपअंड ळनचजं को धातु संबंधी तथा Bhawna Singla को मासिक धर्म संबंधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Bhawna Singla के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Bhawna Singla को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Bhawna Singla को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार रौपअंड ळनचजं और Bhawna Singla का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Bhawna Singla के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Bhawna Singla के

लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Bhawna Singla अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Bhawna Singla के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टिकोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

पौपंड्य ऋणचक्र के सास से सामान्यतया मधुर संबंध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीयता समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरानुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबंध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ पौपंड्य ऋणचक्र के संबंध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण पौपंड्य ऋणचक्र के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा पौपंड्य ऋणचक्र भी मधुर संबंधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Shivam Gupta

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृत्ति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृत्ति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगों की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते हैं। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृत्ति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृत्ति

के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते हैं तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।

Bhawna Singla

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ट धन्यादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ट धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नहीं लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता है तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नहीं हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुड़कर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नहीं चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरुचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नहीं लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

अंक ज्योतिष फल

Shivam Gupta

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

Bhawna Singla

आपका जन्म दिनांक छः होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक छः होता है। इसका अधिष्ठाता शुक्र ग्रह है। मूलांक छः के प्रभाववश आप के अन्दर आकर्षण शक्ति तथा मिलनसारिता अधिक रहेगी। इस गुण के कारण आप लोक प्रियता प्राप्त करेंगी। सुन्दरता, सुन्दर वस्तुओं की ओर आकृष्ट होना आपकी सहज प्रवृत्ति होगी। विपरीत सेक्स के प्रति आपका आकर्षण रहेगा एवं सुन्दर नर-नारियों से संबंध बनाना, वार्तालाप करना आपकी प्रकृति में रहेगा।

विभिन्न कलाओं के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि रहेगी एवं कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार-व्यापार भी बना सकती हैं। संगीत-साहित्य, ललितकला, चित्रकला इत्यादि में रुचि रखेंगी। सुन्दर वस्त्र धारण करना एवं सुसज्जित मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा। अतिथियों का आदर सत्कार करने में आपको गर्व महसूस होगा। घर या ऑफिस में सभी वस्तुएँ ढंग से सजावट के साथ रखना, सुरुचिपूर्ण फर्नीचर, परदे इत्यादि रखना आपको रास आयेगा।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आपकी बात को सामने वाला मान जाया करे। किसी बात पर अड़े रहना तथा ईर्ष्या की मात्रा आपके अन्दर अधिक रहेगी। आप कार्यक्षेत्र में किसी की प्रतिद्वन्दिता को आसानी से सहन नहीं

कर पायेंगी। जिसके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव एवं आत्मग्लानि का भी सामना करना पड़ेगा। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगी। शीघ्र मित्र बनाने की कला आपके अन्दर अधिक मात्रा में होने से आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी।

Shivam Gupta

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Bhawna Singla

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।